अरिहंतम्

“अ” से अरिहंत करता है काम, अज्ञान तिमिर हरने का काम,

“अ” से अरिहंत करता है काम, अज्ञान तिमिर हरने का काम,

अरिहंत का अभिमान, हमें अरिहंत का सम्मान।

सरस्वती का करते है अर्चन, हम विद्या का करते है पूजन,

सरस्वती का करते है अर्चन, हम विद्या का करते है पूजन,

हँसते-खेलते कक्षा में, विध - विध रुप से सिखाते हैं,

हँसते-खेलते कक्षा में, विध - विध रुप से सिखाते हैं,

अरिहंत का है काम, यह अरिहंत का है काम।

अरिहंत का अभिमान, हमें अरिहंत का सम्मान।

शिक्षक - छात्रों का, रिश्ता है ऐसा, दूध में शक्कर मिलती है वैसा,

शिक्षक – छात्रों का, रिश्ता है ऐसा, दूध में शक्कर मिलती है वैसा,

हम सब शिक्षक आज यह, गर्व से सब कहते है,

हम सब शिक्षक आज यह, गर्व से सब कहते है,

बच्चे हमारी जान, यह बच्चे हमारी शान,

बच्चे हमारी जान, यह बच्चे हमारी शान,

बच्चों की शिक्षा हमारी इबादत, उनकी सफलता हमारी हैं चाहत,

बच्चों की शिक्षा हमारी इबादत, उनकी सफलता हमारी हैं चाहत,

न्याय, निती, निपुणता से मंजिल को पाना तुम,

न्याय, निती, निपुणता से मंजिल को पाना तुम,

अरिहंत का पैगाम, यह अरिहंत का पैगाम।

अरिहंत का पैगाम, यह अरिहंत का पैगाम।

अरिहंत का अभिमान, हमें अरिहंत का सम्मान। (४)

अरिहंतम् ! अरिहंतम् ! अरिहंतम् ! .....